भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

अध्यक्ष का
नव वर्ष संदेश
2026

प्रिय साथियों,

वर्ष 2025 को अलविदा करते हुए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के सतत् विकास, कार्यबल शक्ति और सामूहिक उपलब्धियों से परिपूर्ण बीते वर्ष के बारे में बताना संगत होगा। वर्ष के दौरान अर्जित उपलब्धियां हमारे कार्यबल के समर्पण, हमारे हितधारकों के सहयोग का साक्ष्य है। ये सभी उपलब्धियां हमारे माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण संभव हुई है जिसके परिणामस्वरूप भारत का विमानन क्षेत्र विकास के नए अध्याय लिख रहा है। जब हम नए वर्ष में नए उद्देश्य के साथ प्रवेश कर रहे हैं, मैं सभी को सुखद व नई आशाओं से परिपूर्ण **नव वर्ष 2026** की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

भारत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर समारोहों का आयोजन कर रहा है, यह हमारे राष्ट्रीय गीत की भावना और भारत के इतिहास में इसकी अहम भूमिका का जश्न मनाने की एक यादगार पहल है। भाविप्रा ने अपने सभी हवाई अड्डों और संस्थानों में 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर समारोह आयोजित किए ,राष्ट्रीय गीत की समृद्ध विरासत का जश्न मनाया और एकता, सेवा और देशभक्ति के मूल्यों को पुन: दोहराया गया जो संगठन को सतत् प्रेरित करते हैं।

वर्ष के दौरान, भाविप्रा द्वारा बड़े पैमाने पर प्रचालन और अवसंरचना को सतत् बढ़ाने के माध्यम से सुदृढ़ क्रियान्वयन क्षमता दिखाई गई। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज हवाई अड्डा एक महत्वपूर्ण एविएशन गेटवे के तौर पर उभरा, जो बढ़ी हुई अवसंरचना और 26 शहरों से बेहतर संपर्कता के साथ चौबीसों घंटे कार्य कर रहा था।

भाविप्रा की वायु यातायात नियंत्रक टीमों द्वारा प्रचालन मांग में वृद्धि को अत्यंत पेशेवर ढंग से संभाला गया। उन्होंने चार धाम यात्रा के दौरान यातायात में वृद्धि को अच्छे ढंग से प्रबंधित किया और बदलती स्थितियों के चलते क्षेत्रीय वायु क्षेत्र बंद होने और विशेष प्रचालन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक फ्लाइट डायवर्जन हेतु सुरक्षित रूप से समन्वय किया, इसके साथ संरक्षा और सेवा की निरंतरता के उच्च मानको को भी बनाए रखा । भाविप्रा द्वारा तत्परता, समन्वय और प्रचालन लचीलेपन को सुदृढ़ करने के लिए देश भर के सभी भाविप्रा हवाई अड्डों पर बड़े पैमाने पर मॉक ड्रिल भी की गई।

भारत के विमानन क्षेत्र में तीव्रता से वृद्धि को देखते हुए 2025 में भाविप्रा के कार्यों का मुख्य उद्देश्य अवसंरचना विकास रहा है। पिछले दस वर्षों में, देश में प्रचालनात्मक हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से दोगुनी से ज़्यादा बढ़कर 2025 में 164 हो गई है, जिससे पहुँच और क्षेत्रीय एकीकरण में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है। इस संबंध में, भाविप्रा ने वित्तीय वर्ष 2024-25 से वित्तीय वर्ष 2028-29 की अवधि के लिए ₹25,000 करोड़ के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है, जिससे भावी मांग को देखते हुए भारत की विमानन अवसंरचना को सुदृढ़ किया जाएगा । 2047 तक 350 प्रचालनात्मक हवाई अड्डों के निर्माण हेतु सरकार का लक्ष्य देश में आर्थिक विकास, पर्यटन और संतुलित क्षेत्रीय विकास को आगे बढ़ाने में विमानन की अहम भूमिका को दर्शाता है।

वित्तीय वर्ष 2025–26 में, भाविप्रा ने हिसार में नए टर्मिनल भवन और बिहटा में नए सिविल एन्क्लेव की आधारशिला रखकर अवसंरचना विकास की गति को बनाए रखा। इसके अलावा, पटना, दतिया, सतना और तूतीकोरिन हवाई अड्डे पर हाल ही में आरंभ नए टर्मिनल भवन, पूर्णिया हवाई अड्डे पर अंतरिम टर्मिनल भवन के साथ, क्षेत्रीय हवाई यात्रा में अभूतपूर्व बदलाव और भारत के हवाई अड्डा नेटवर्क को सुदृढ़ करने के लिए तैयार हैं। भाविप्रा जोधपुर, विजयवाड़ा, गोवा, बेलगावि, राजमुंदरी, हुब्बल्ली और कडप्पा में यात्री क्षमता बढ़ाने और संपूर्ण यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए भावी मुख्य परियोजनाओं को आगे बढ़ा रहा है।

भाविप्रा 2025–2035 के लिए एक बड़े एयर नेविगेशन सर्विसेज़ आधुनिकीकरण रोडमैप को आगे बढ़ा रहा है, जिसका फ़ोकस नए और अपग्रेडेड कंट्रोल टावरों के माध्यम से एटीसी अवसंरचना को बेहतर बनाने पर है। डिजिटल टावर टेक्नोलॉजी को अपनाने और अत्याधुनिक सीएनएस/एटीएम प्रणाली लगाने से भाविप्रा नवाचार में अग्रिम पंक्ति में है, साथ ही विश्व में सुरक्षा और सर्विस परफ़ॉर्मेंस के मानदंड स्तर को प्राप्त करना सुनिश्चित करता है।

अवसंरचना वृद्धि को पूरा करते हुए, उड़ान–आरसीएस समावेशी विमानन विकास का एक अहम भाग बना हुआ है। 2016 में आरंभ "उड़ान" योजना के नौ वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, इस योजना ने हवाई यात्रा को सुलभ बनाने और अल्पसेवित और असेवित हवाई अड्डों/ हवाई पट्टियों को जोड़ने में महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। मुख्यत: भाविप्रा की सहयोग से, उड़ान 93 हवाई अड्डों को जोड़ने वाले 649 रूट पर प्रचालित है, जिसमें हेलीपोर्ट और वॉटर एयरोड्रोम शामिल हैं, और इसने 1.56 करोड़ से ज़्यादा यात्रियों को हवाई यात्रा में सहायता प्रदान की है।

जैसे-जैसे यात्रियों की संख्या बढ़ी है, डिजिटल नवाचार दक्षता और सुविधा के एक मुख्य कारण के रूप में उभरा है। 2022 में शुरू की गई "डिजी यात्रा" पहल, फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी के ज़रिए पेपरलेस और कॉन्टैक्टलेस हवाई यात्रा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मार्च 2025 तक, 52.2 मिलियन से ज़्यादा यात्रियों ने इस सुविधा का लाभ उठाया था, जिसमें डिजी यात्रा ऐप के 12.1 मिलियन डाउनलोड दर्ज किए गए थे। वर्तमान में, भाविप्रा के 14 हवाई अड्डों पर प्रचालित "डिजी यात्रा" भारत के विमानन परितंत्र में टेक्नोलॉजी से चलने वाले, यात्री-केन्द्रित सॉल्यूशन के उपयोग को दर्शाती है।

हवाई अड्डा विकास हेतु भाविप्रा के दीर्घ अवधि के लक्ष्य में संधारणीयता की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। 2023 में आरंभ सस्टेनेबल ग्रीन एयरपोर्ट्स मिशन (SUGAM) भाविप्रा द्वारा प्रबंधित हवाई अड्डों पर पर्यावरण अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा दे रहा है।वर्तमान में, 87 भाविप्रा-हवाई अड्डे पूर्ण रूप से हरित ऊर्जा पर कार्य कर रहे हैं, जो 2030 तक नेट-ज़ीरो उत्सर्जन प्राप्त करने वाले भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य में अहम योगदान देंगे।

2024 में आरंभ हुए उड़ान यात्री कैफ़े, भाविप्रा के समावेशी और यात्री सेवा केन्द्रित हवाई अड्डा अवसंरचना की प्रतिबद्धता को दर्शाते है। भाविप्रा के सात हवाई अड्डों पर चल रहे यह कैफ़े, किफायती दामों पर उच्च गुणवत्ता का नाश्ता उपलब्ध करवाते हैं, जिससे यात्रियों को आरामदायक यात्रा का अनुभव होता है और इससे हवाई अड्डों पर स्वागत की अनुभूति के साथ-साथ दक्ष और नागरिक अनुकूल सार्वजनिक क्षेत्र उपलब्ध होते हैं।

भाविप्रा ने यात्री-प्रथम के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करते हुए, "यात्री सेवा दिवस" आयोजित कर हवाईअड्डे पर जवाबदेह, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व की संस्कृति को बढ़ावा दिया जोकि नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस वर्ष की एक महत्वपूर्ण वैश्विक उपलब्धि इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइज़ेशन (ICAO) की काउंसिल में भारत को पुन: चुना जाना था। इस विश्वास का मजबूत होना अंतरराष्ट्रीय विमानन से जुड़े निर्णय लेने में भारत की पुरज़ोर आवाज़ और एक सुरक्षित, दक्ष और भविष्योन्मुख वैश्विक विमानन परितंत्र को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुझे अपने सभी साथियों को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि मौजूदा एम्प्लॉई डिफाइंड कंट्रीब्यूटरी पेंशन स्कीम (EDCPS) की जगह नेशनल पेंशन स्कीम (NPS) को मंज़ूरी मिल गई है और इसे जल्द ही लागू किया जाएगा। यह योजना सभी भाविप्रा कार्मिको के लिए अत्यंत लाभकारी है और एक लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करती है।

माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी के शब्दों में, "हाल के वर्षों में, भारत के विमानन क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है, जिससे यह विश्व के सबसे तेज़ी से बढ़ते घरेलू विमानन बाजारों में शामिल हो गया है।" इस विज़न से प्रेरित होकर वर्ष 2026 में और आगामी वर्षों में भी भाविप्रा एक सुरक्षित, संधारणीय, समावेशी और भविष्योन्मुखी विमानन परितंत्र के निर्माण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध रहेगा।

जय हिंद!
वंदे मातरम्!

विपिन कुमार

विपिन कुमार
अध्यक्ष, भा.वि.प्रा.